

प्रेषक,

सुभाष कुमार,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,  
हरिद्वार।

राजस्व अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 24 मार्च, 2009

**विषय:-** मै० इण्डसग ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल तथा मै० इण्डसग बायोटेक रोहिणी दिल्ली को ग्राम केलनपुर, तहसील रुडकी, जिला हरिद्वार में कुल 0.2065 है० भूमि क्रय की अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्र संख्या-537/भूमि व्यवस्था-भूमि क्रय-VIII दिनांक-17.07.2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय मै० इण्डसग ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल तथा मै० इण्डसग बायोटेक रोहिणी दिल्ली को ग्राम केलनपुर, तहसील रुडकी, जिला हरिद्वार में फार्मास्यूटिकल उद्योग की स्थापना हेतु कुल 0.2065 है० भूमि उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2001) (संशोधन) अधिनियम, 2003 दिनांक 15-1-2004 की धारा-154(4)(3)(क)(V) के अन्तर्गत आपके उपरोक्त पत्र के द्वारा अनुमोदित/संस्तुत खसरा संख्या-69 में से भूमि क्रय किये जाने की अनुमति निम्नलिखित प्रतिबन्धों/शर्तों के साथ प्रदान करते हैं:-

1- कंता धारा-129-ख के अधीन विशेष श्रेणी का भूमिधर बना रहेगा और ऐसा भूमिधर भविष्य में केवल राज्य सरकार या जिले के कलेक्टर, जैसी भी स्थिति हो, की अनुमति से ही भूमि क्रय करने के लिये अर्ह होगा।

2- कंता बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने के लिये अपनी भूमि बन्धक या दृष्टि बन्धित कर सकेगा तथा धारा-129 के अन्तर्गत भूमिधरी अधिकारों से प्राप्त होने वाले अन्य लाभों को भी ग्रहण कर सकेगा।

3- कंता द्वारा क्रय की गई भूमि का उपयोग दो वर्ष की अवधि के अन्दर, जिसकी गणना भूमि के विक्रय विलेख के पंजीकरण की तिथि से की जायेगी अथवा उससे बाद ऐसी अवधि के अन्दर जिसको राज्य सरकार द्वारा ऐसे कारणों से जिन्हें लिखित रूप में अभिलिखित किया जायेगा, उसी प्रयोजन ( फार्मास्यूटिकल्स उद्योग की स्थापना ) के लिये करेगा जिसके लिये अनुज्ञा प्रदान की गई है। यदि वह ऐसा नहीं करता अथवा उस भूमि का उपयोग जिसके लिये उसे स्वीकृत किया गया था, उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु करता है अथवा जिस प्रयोजनार्थ क्रय किया गया था उससे भिन्न प्रयोजन के लिये विक्रय, उपहार या अन्यथा भूमि का अन्तरण करता है तो ऐसा अन्तरण उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु शून्य हो जायेगा और धारा-167 के परिणाम लागू होंगे।

- 4- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी अनुसूचित जाति/जनजाति के न हों और अनुसूचित जाति/जनजाति के भूमिधर होने की स्थिति में भूमि कय से पूर्व सम्बन्धित जिलाधिकारी से नियमानुसार अनुमति प्राप्त की जायेगी।
- 5- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी असंक्रमणीय अधिकार वाले भूमिधर न हों।
- 6- शासन द्वारा दी गई भूमि कय की अनुमति शासनादेश निर्गत होने की तिथि से 180 दिन तक वैध रहेगी।
- 7- प्रस्तावित इकाई द्वारा फार्मा उत्पाद (टैबलेट्स, कैप्सूल, लिक्विड, बीटा लेक्टम, ओईन्टमैन्ट) का उत्पादन किया जाना प्रस्तावित है, जो कि थ्रस्ट सेक्टर के अन्तर्गत है। भारत सरकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक नीति एवं संयर्धन विभाग) के कार्यालय ज्ञाप दिनांक-07 जनवरी, 2003 के एन्क्चर-2 के क्रमांक-12 पर थ्रस्ट उद्योगों के अन्तर्गत उल्लिखित फार्मा प्रोडक्ट्स क्रिया-कलापों में सम्मिलित है। इन क्रिया कलापों पर घोषित/अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्रों/आस्थान से बाहर विशेष पैकेज का लाभ अर्हता पूर्ण करने पर अनुमन्य होगा।
- 8- क्रय की जाने वाली भूमि का भू-उपयोग यदि औद्योगिक से भिन्न हो तो उसे नियमानुसार औद्योगिक में परिवर्तित कराकर जी0आई0डी0सी0आर0-2005 में दिये गये नियमों/मानकों के अनुसार एवं भवन उपविधियों के अन्तर्गत नियमानुसार कार्यवाही करते हुए औद्योगिक प्रयोजन हेतु भवन निर्माण का प्लान सक्षम अधिकारी से स्वीकृत करने के पश्चात ही स्थल पर निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- 9- मै0 इण्डसग ड्रग्स एवं फार्मास्यूटिकल्स तथा मै0 इण्डसग बायौटेक प्रा0लि0 द्वारा स्थापित किये जाने वाले उद्योग में उत्तराखण्ड मूल के बेरोजगारों को नियमित रूप से न्यूनतम 70 प्रतिशत से अधिक का रोजगार उपलब्ध करायेगी।
- 10- इकाई द्वारा क्रय की जाने वाली भूमि का उपयोग केवल फार्मास्यूटिकल उत्पादों की स्थापना हेतु ही किया जायेगा।
- 11- प्रश्नगत स्थापना के सम्बन्ध में स्पार्ट जोनिंग क्षेत्र के लिए निश्चित सिद्धान्त/नीतियों का पूर्णतः पालन किया जायेगा। इकाई में पूंजी निवेश/निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व ड्रग कन्ट्रोलर से ड्रग लाइसेंस, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण हेतु उत्तराखण्ड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, तथा अग्नि शमन विभाग से नियमानुसार अनापत्ति/सहमति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- 12- प्रस्तावित स्थल पर अवस्थापना विकास से सम्बन्धित कार्यों का दायित्व सम्बन्धित इकाई का होगा।
- 13- प्रस्तावित उद्योग का निर्माण कार्य राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (सीडा)-2005 के अनुरूप किया जायेगा।
- 14- सम्बन्धित भूमि के सम्बन्ध में वन संरक्षण अधिनियम अथवा अन्य कोई अधिनियम/नियम लागू होने/न होने तथा प्रदूषण नियंत्रण सम्बन्धी किन्हीं विनियमों के परिप्रेक्ष्य में वांछित कार्यवाही निवेशक द्वारा अपने स्तर से सुनिश्चित की जायेगी।



15- सम्बन्धित इकाई को भू-उपयोग करने से पूर्व सक्षम एजेंसी(विनियमित क्षेत्र प्राधिकरण/विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण/विकास प्राधिकरण से नियमानुसार अनापत्ति प्राप्त करनी होगी, उसके पश्चात ही आवेदक भूमि को उपयोग निर्धारित कार्य हेतु कर सकेगा।

16- किसी भी दशा में प्रस्तावित कंटाओं को प्रस्तावित भूमि के अतिरिक्त अन्य भूमि के उपयोग की अनुमति नहीं होगी एवं सार्वजनिक उपयोग की भूमि या अन्य कोई भूमि पर कब्जा न हो इसके लिये भूमि कय के तत्काल बाद उसका सीमांकन कर लिया जाय।

17- भूमि का विक्रय अपरिहार्य परिस्थितियों के अतिरिक्त अनुमन्य नहीं होगा एवं ऐसी दशा में विक्रय किये जाने हेतु सकारण शासन का अनुमोदन प्राप्त करना होगा।

18- उपरोक्त प्रतिबन्धों/शर्तों का पूर्णतः अनुपालन न होने पर तथा भिन्न उपयोग करने, उल्लंघन हाने की दशा में अथवा किसी अन्य कारणों से, जिसे शासन उचित समझता हो, प्रश्नगत स्वीकृति निरस्त कर दी जायेगी।

कृपया तदनुसार यथावश्यक कार्यवाही नियमानुसार करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(सुभाष कुमार)

प्रमुख सचिव।

पू0प0सं0-33 / संमदिनांकित / 2009

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- प्रमुख सचिव, औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन को इस आशय से प्रेषित कि शासनादेश के उद्योग विभाग से सम्बन्धित समस्त बिन्दुओं का कियान्वयन सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।
- 3- सचिव, श्रम एवं सेवायोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 5- निदेशक, उद्योग, इन्डस्ट्रियल इस्टेट, पटेलनगर, देहरादून।
- 6- मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सीडा, 2-न्यूकैन्ट रोड, सिडकुल, देहरादून।
- 7- श्रीमती संगीता गुप्ता, प्रोपराइटर, मै0 इण्डसग इग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल तथा मै0 इण्डसग बायोटेक, जी-2/78, सेक्टर-16, रोहिणी, दिल्ली-110085
- 8- निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड, सचिवालय।
- 9- प्रभारी मीडिया केन्द्र, सचिवालय।
- 10- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सन्तोष बड़ोनी)

अनु सचिव।